विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 5 से 11 फरवरी 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 38 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

आपके स्वभाव का प्रभाव न केवल आप पर बल्कि आपसे मिलने वाले हर जीव तथा मानव पर पड़ता है. इसलिए जीवन में कभी भी अपने गलत स्वभाव से किसी के मन को दुखी मत करना. जीवन में कभी स्वभाव की एक गलती हमारी हजारों अच्छाईयों को नष्ट कर देती है. सदा प्रसन्न रहने के साथ ही दूसरों को भी प्रसन्न रखने का स्वभाव रखना चाहिए.

सिंधी समाज को मिला अमरावती में महापौर का गौरव

अमरावती- अमरावती महानगर पालिका के चुनाव में चौकाने वाले नतीजों के बाद महापौर का चुनाव 6 फरवरी को होने जा रहा है. भाजपा ने पहली बार सिंधी समाज के श्रीचंद तेजवानी को महापौर बनाने और गठबंधन में युवा स्वाभिमान के पहली बार चुने गए सचिन भेंडे को उपमहापौर बनाने का फैसला किया है. लेकिन राकांपा प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक संजय खोड़के द्वारा भाजपा का साथ देने लेकिन राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी से गठबंधन के लिए नकार देने से महापौर का चयन तय लेकिन उपमहापौर चयन को लेकर अवरोध पैदा हो गया है. ऐसे में राजनीतिक बिसात पर कौन कब कैसा पता खोलेगा, यह पता नहीं चल रहा है. महापौर और उपमहापौर का पता 6 को ही चलेगा. फिलहाल तो उपमहापौर चुनाव में अवरोध पैदा हो गया है.

अब सरकारी बैंकों को बेचने की तैयारी

171 लाख करोड़ की संपत्ति पर विदेशियों की नजर,सरकार बैंकों में रखेगी 51 फीसदी हिस्सेदारी

विदर्भ स्वाभिमान, 4 फरवरी

नई दिल्ली/मुंबई-सरकारी बैंकों में एफडीआई की सीमा बढ़ाई जा सकती है. इस समय देश में 12 सरकारी बैंक हैं जिनका कंबाइंड एसेट 171 लाख करोड़ रुपये है. सरकार इन बैंकों में 51 फीसदी हिस्सेदारी रखना चाहती है. अभी इन बैंकों में सरकार की काफी ज्यादा हिस्सेदारी है.

सरकारी बैंकों में 49 फ़ीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनमति दी जा सकती है. रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार इस संबंध में मंत्रालयों के बीच चर्चा करा रही है. अभी सरकारी बैंकों में एफडीआई की सीमा 20 फीसदी है. फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्रेटरी एम नागराजू ने कहा कि सरकार मंत्रालयों के साथ इस बारे में विचार विमर्श कर रही है. ईटी ने इससे पहले खबर दी थी कि वित्त मंत्रालय इस बारे में आरबीआई के साथ पिछले कुछ महीनों से सलाह-मशविरा कर रहा है लेकिन इस प्रस्ताव को अब तक फाइनल नहीं किया गया है.

मार्च, 2025 के आंकड़ों के मुताबिक देश के 12 सरकारी बैंकों की कंबाइंड एसेट्स करीब 171 लाख करोड़ रुपये है. यह देश के बैंकिंग सेक्टर का करीब 55 फीसदी है. सरकार इन बैंकों में 51 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखना चाहती है. हालांकि अभी सरकार के पास इन बैंकों में कहीं ज्यादा हिस्सेदारी है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को फाइनेंशियल ईयर 2026-27 का बजट पेश करते हुए बैंकिंग सेक्टर के लिए एक बड़ी घोषणा की थी.

इस मामले में हमारे पड़ोसी चीन द्वारा विशेष दुनिया में बज रहा है चीन के बैंकों का डंका, टॉप 10 में भारत का एक भी नहीं. भारत को वित्तीय महाशक्तिको रूप में दावा करते नहीं थक रहे हैं लेकिन डालर जिस तरह से बढ़ा है, वह आठ साल के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है. केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा था कि देश की बैंकिंग सेक्टर की व्यापक समीक्षा के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाई जाएगी और सुधारों पर आधारित ग्रोथ के लिए नई योजना बनाई जाएगी. इसका मकसद भारतीय बैंकों को आने वाले समय के लिए विकसित भारत की योजना के मुताबिक तैयार करना है. उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक आज अच्छी स्थिति में हैं. उनका मुनाफा और दुनिया में पहुंच बढ़ी है. इस सेक्टर को अब और आगे ले जाने की जरूरत है. उसके लिए जरूरी उपाय किए जाएंगे.

एसेट्स के हिसाब से दुनिया के 10 बैंकों में भारत के दो बैंक शामिल हैं. इनमें एसबीआई और एचडीएफसी शामिल हैं. एसबीआई की टोटल एसेट्स 0.9 ट्रिलियन डॉलर है जबकि एचडीएफसी बैंक के पास 0.5 ट्रिलियन डॉलर के एसेट्स हैं. इस लिस्ट में टॉप 4 में चीन के बैंक शामिल हैं. आईसीबीसी 6.7 ट्रिलियन डॉलर के साथ पहले, एग्रीकल्चरल बैंक ऑफ चाइना 5.9 ट्रिलियन, दूसरे, चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक (5.6 ट्रिलियन) तीसरे और बैंक ऑफ चाइना (4.8 ट्रिलियन) चौथे नंबर पर है.

उम्र नहीं हावी हो रही है,58 वर्षीय अभिनेत्री माधुरी दीक्षित

विदर्भ स्वाभिमान, 28 जनवरी

मुंबई- माधुरी दीक्षित 58 साल की हैं. फिर भी उनके साड़ी वाले लुक सबसे बेस्ट होते हैं. आपने कभी सोचा है कि वो साड़ी में सबसे हटकर कैसे दिखती हैं? नयी तस्वीरों में भी हरी साड़ी पहनकर एक्ट्रेस ने फैंस को इंप्रेस कर दिया है. आइए जानते हैं कि माधुरी ने अपने देसी लुक को कैसे एलिगेंट और अट्रैक्टिव बनाया.

साड़ी को किसी भी मौके पर पहना जा सकता है. तभी आम महिलाओं से लेकर एक्ट्रेस तक, सभी साड़ी पहनकर सजती हैं. लेकिन सबके साड़ी वाले लुक माधुरी दीक्षित की तरह शानदार नहीं बन पाते हैं. वो 58 की उम्र में भी साड़ी पहनकर सजती हैं तो कमाल की नजर आती हैं. नयी फोटोज में भी माधुरी ने हरी साड़ी को स्टाइल करने का परफेक्ट तरीका दिखाया है.

दरअसल, माधुरी अपनी साड़ी को हमेशा एक परफेक्ट ब्लाउज के साथ पेयर करती हैं. साथ में उनकी साड़ी का फैब्रिक और डिजाइन भी ऐसा होता है कि लुक में एलिगेंस जुड़ जाता है. इन सबके अलावा एक और पॉइंट ये भी है कि एक्ट्रेस अपनी साड़ियों पर दिल खोलकर पैसे खर्च करती हैं.माधुरी की ग्रीन साड़ी की कीमत भी लाखों में है. चलिए जानते हैं कि एक्ट्रेस की साड़ी में क्या खास है और महिलाएं कैसे माधुरी की तरह अपने साड़ी वाले लुक को बेस्ट बना सकती हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

विलय को लेकर गर्माती राज्य की राजनीतिक स्थिति

राज्य की राजनीति पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रभावित हो रही है. यही कारण है कि राजनीतिक दलों का विश्वास कम होता जा रहा है.क़ौन कब सिद्धांतों,विचारों को तिलांजलि देकर सांप्रदायिक और कौन सांप्रदायिक धर्मनिरपेक्ष बन जाएगा, इसका भरोसा ही नहीं रहा है. अपने व्यक्तिगत लाभ को जिस तरह से राजनीति में महत्व दिया जा रहा है, उसके कारण ही यह स्थिति पैदा हो रही है. ऐसे में राकांपा को दोनों धड़ों के विलय की खबर और उस पर नेताओं की प्रतिक्रिया तो यही बात साबित करती है. पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजीत पवार की मौत को अभी कुछ ही दिन हुए हैं कि पार्टी के दोनों गटों के विलय को लेकर राजनीतिक गरमा गई है. राजनीति आजकल मजाक बन गई है. अजीत पवार की मौत को लेकर जहां कई सवाल पैदा किया जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर दोनों ही पार्टी के नेताओं द्वारा इस मामले में सियासत की जा रही है. अजीत पवार गुटके प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया कि पहले शरद पवार गुट को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और अजीत पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तो केंद्र में एनडीए की पहले ही सहयोगी पार्टी है.उन्होंने कहा कि शरद पवार गुट को पहले अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए कि वह विलय के पक्ष में है कि नहीं है. उसके बाद ही अजीत पवार की पार्टी द्वारा कोई फैसला लिया जाएगा. भाजपा की विचारधारा से जिन्हें कोई दिक्कत नहीं है वह खुले दिल से पार्टी में आ सकते हैं लेकिन पार्टी के नेताओं के अपनी लाइन क्लियर करनी होगी. अजीत पवार विमान दुर्घटना में मारे गए हैं और इस हादसे की जांच भी हो रही है. ऐसे में केवल चर्चाएं करने से कुछ नहीं होने वाला है ऐसा भी उन्होंने स्पष्ट किया. इस बीच शरद पवार के पोते और विधायक रोहित पवार ने नासिक के ढक्कन में गांव में कहा कि वह अजीत पवार की 13वीं 9 फरवरी तक किसी भी राजनीतिक विषय पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे. हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि 9 फरवरी के बाद में विलय से जुड़े ऐसे सबूत पेश करेंगे जो राज्य की राजनीति की दिशा बदल सकती है. इस मामले में शरद पवार का बयान भी संभ्रम को और बढ़ाने का काम कर रहा है. दोनों दलों के विलय के बारे में खबरों को खारिज करने वालों पर सवाल उठाते हुए शरद पवार ने कहा कि इस संदर्भ में हुई बैठक में जो लोग उपस्थित ही नहीं थे वह विलय की खबर का कैसे खंडन कर सकते हैं.

राष्ट्रीय ही नहीं अमरावती मनपा की राजनीति में भी यही अनुभव हो रहा है. राज्य में गठबंधन में युवा स्वाभिमान, राकांपा अजीत पवार गुट सरकार में सहयोगी हैं. लेकिन मनपा चुनाव में सभी ने एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरकर चुनाव लड़ा था. चुनाव के बाद राकांपा भाजपा के साथ है लेकिन युवा स्वाभिमान पार्टी से उसे परहेज है. आखिर नीति, विचारधारा राजनीति से गायब होने का अनुभव लोग कर रहे हैं. कुल मिलाकर राजनीति में वर्तमान में कोई सिद्धांत नहीं है, केवल कुर्सी ही सबसे बड़ा सिद्धांत है. उसके अलावा बाकी कुछ नहीं है. लोगों को भी अब यह बात समझ लेना चाहिए.

संवेदनशील अधिकारी है डॉ.श्वेता सिंघल

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

कहते हैं कि जीवन में पद प्रतिष्ठा मिलने के बाद जमीन पर बहुत कम लोग ही रहते हैं लेकिन आज भी कई लोग ऐसे होते हैं, जिनके लिए पद,प्रतिष्ठा से बढ़कर उनका व्यक्तित्व जीवन में असर करता है. यह लोग अपने स्वभाव के प्रभाव से सभी को प्रभावित करते हैं. इसमें अनाथों के नाथ और हजारों अनाथ बालक-बालिकाओं को पिता का छत्र देने वाले पद्मश्री शंकरबाबा पापड़कर, हव्याप्रमं के प्रमुख पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य, अखिल भारतीय गुरूदेव सेवा मंडल के महासचिव तथा पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले जनार्दनपंत बोथे सहित जिले के कई रत्नों का नाम गिनाया जा सकता है. जहां तक प्रशासनिक क्षेत्र का सवाल है तो अमरावती की संभागीय आयुक्त डॉ. श्वेता सिंघ मैडम भी कुछ इसी तरह की संवेदनशील, कर्मठ और सादगी से परिपूर्ण अधिकारी कही जा सकती हैं. लोगों के लिए जहां सहजता से उपलब्ध रहती हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी समझदारी और सादगी किसी को भी प्रभावित करती है.

कहते हैं कि व्यक्ति के पद के साथ ही उसके स्वभाव का अत्याधिक स्थान रहता है. काम सभी करते हैं लेकिन कुछ ही अधिकारी ऐसे होते हैं, वह जहां भी जाते हैं, अपने स्वभाव और प्रभाव दोनों में बेहतरीन संतुलन स्थापित

करते हुए कार्यकाल के अलावा भी सदा याद किए जाते हैं. अमरावती शहर तथा जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में सुधीर सिंह, टी.एस. भाल के अलावा पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार को आज भी सम्मान से याद किया जाता है. अधिकार तो उन्हें भी उतने ही थे. लेकिन अपने कार्यों से जिस तरह से उन्हों ने लोगों के दिलों में स्थान बनाया था, उसके कारण उन्हें याद किया जाता है.समय और अनुशासन के मामले में जहां सख्त हैं, वहीं दूसरी ओर सहयोगी अधिकारियों के साथ ही मुलाकात के लिए आने वाले हर व्यक्ति को सम्मान देने के अलावा सदा उनकी बात को गंभीरता से सुनना और नियमों के मुताबिक जितना संभव होता है, समुचित मार्गदर्शन करने का काम करती हैं.

जीवन में आदर्श संस्कार और मानवता को सदा महत्व देने वाली डॉ. श्वेता सिंघल का मानना है कि स्वभाव का प्रभाव सदा दिखाई देता है. हम किसी के लिए कुछ कर सकते हैं तो निश्चित ही हर व्यक्ति को मानवता का दीप जलाते हुए सहयोग,सकारात्मक सोच के माध्यम से स्वयं के साथ ही अपने इर्द-गिर्द रहने वालों की सुविधाओं का ख्याल नहीं करना चाहिए. अगर सुविधा नहीं बन सकें तो कम से कम दुविधा बनने का प्रयास नहीं करना चाहिए. वे स्वयं भी इसी सिद्धांत पर चलती हैं. कई भाषाओं पर जहां वे प्रभुत्व रखती हैं, वहीं सौंपी गई जिम्मेदारी या कर्म को भी पूजा मानती हैं. उनका स्पष्ट मत है कि परमात्मा ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका सही,ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ जब हम निर्वहन करते हैं तो जीवन में कभी समस्या ही पैदा नहीं होती है. मैडम को बेहतरीन जीवन की शुभकामनाएं.

सेवाभाव सदैव देता है आत्मिक खुशी और संतोष

जन्मदिन विशेषः साक्षात्कार में व्यवसायी डॉ. राजेन्द्र नवाथे ने बताया

शहर के सुख्यात आयुर्वेद चिकित्सक, मेडिकल व्यवसायी राजेन्द्र नवाथे न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ में जितने सफल व्यवसायी के रूप में पहचाने जाते हैं, उतने ही बेहतरीन इंसान के रूप में पहचाने जाते हैं. उनके मुताबिक मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म और ईमानदारी से किया गया कर्म सबसे बड़ा पुण्य का काम होता है.ज़ीवन में सेवाभाव से ही आत्मिक खुशी और आनंद मिलता है. स्वयं के साथ ही अन्यों को भी खुश रखने की सलाह देते हैं.

शहर के सुख्यात आयुर्वेद चिकित्सक, मेडिकल व्यवसायी राजेन्द्र नवाथे न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ में जितने सफल व्यवसायी के रूप में पहचाने जाते हैं, उतने ही बेहतरीन इंसान के रूप में पहचाने जाते हैं. उनके मुताबिक मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म और ईमानदारी से किया गया कर्म सबसे बड़ा पुण्य का काम होता है. इसलिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर इसका प्रयास करना चाहिए. उनके मुताबिक सेवा से जो सुकून मिलता है, वह अन्य किसी से भी नहीं मिल सकता है. बहुगुणी व्यक्तित्व डॉ. राजेन्द्र नवाथे स्वयं भी इसी सिद्धांत पर चलते हैं और किसी की भी मदद और मार्गदर्शन करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. सफलतम व्यवसायी, संगीत प्रेमी तथा सेवाभावी व्यक्तित्व राजेन्द्र नवाथे का. जितने अच्छे व्यवसायी हैं, वे भजन के बेहतरीन गायक भी हैं. उनके मुताबिक अध्यात्म से मन को शांति और सुकून मिलता है. सेवाभाव इतना है कि कृष्णार्पण कॉलोनी में भी सेवाभावी अस्पताल सभी के सहयोग से शुरू किया. सालभर से सेवा चल रही है. उनके मुताबिक धन दौलत व्यक्तिकी जरूरत है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन इसके साथ ही सामाजिक सेवा, मानवता की सेवा जैसे सद्गुणों से व्यक्ति लोगों के दिलों में स्थान बनाता है. नवाथे परिवार सामाजिक तथा नेक कामों में भी सदैव अग्रणी रहता है. नवाथे चौक, कृष्णार्पण कॉलोनी में लोगों

की भीड़ इसका प्रतीक है. मरीजों को समुचित राय देने के अलावा आर्थिक स्थिति के मुताबिक सहयोग की भावना सदैव रहती है. यही कारण है कि 6 फरवरी को राजेन्द्र नवाथे के जन्मदिन पर हजारों की संख्या में मित्रों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी. उनके मुताबिक मेहनत, ईमानदारी, काम के प्रति समर्पण ऐसी खूबी है, जिससे मानसिक संतुष्टी और समर्पण मिलता है. मेहनत तथा ईमानदारी जीवन में कुछ लोगों का साथ, उनका आशिर्वाद और उनका स्वभाव सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहता है. राजेन्द्र भाऊ नवाथे के घर में ही वैद्यकीय सेवा करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. स्वयं आयुर्वेदिक डाक्टर रहने के साथ ही मेडिकल व्यवसाय में सेवा को चार दशक से अधिक समय हो गया है. कांग्रेस के पदाधिकारी सहित वे अनगिनत संगठनों से जुडे हैं. इनके माध्यम से सेवा का काम लगातार चलता रहता है. अपने जन्मदिन पर हजारों लोगों द्वारा फोन, वाटसअप के साथ ही मुलाकात कर शुभकामनाएं देने पर सभी के प्रति कृतज्ञता जताई है-राजेन्द्र भैया के स्वभाव में विनम्रता, शालीनता के साथ वे सदैव किसी को भी समझने और समझाने में सफल रहते हैं. सादगी, विनम्रता, सेवाभाव के त्रिवेणी संगम रहकर सदा मानवता की सेवा करने का प्रयास करते हैं. उन्हें शुभकामनाएं. अंत में उनके जन्मदिन पर यह शायरी

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको।

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

बडनेरा-सभी के चहेते सुदर्शन गांगजी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए सुबह से लेकर रात तक हर क्षेत्र के बारे में पहुंचकर शुभकामनाएं दी. शुरूवात सर्वप्रथम लेडी गवर्नर डॉ.कमलताई गवई, डॉ.गोविंद कासट, डॉ.सुभाष गवई,सुभाष दुबे, संजय भोपाले से हुई. रात्रि 7 बजे के करीब अभिनंदन बैंक के अध्यक्ष एड.विजय बोथरा, दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ त्रिदीप वानखडे, सहसंपादक सुभाषचंद्र दुबे, संजय भोपाले, संजय शिरभाते,बाबा राऊत सहित अनगिनत लोगों ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.इस दौरान नितिन कटारिया, महावीर देवड़ा, किशोर छाजेड़, धर्मेंद्र कामदार, पंकज कटारिया, राजू देवड़ा, नीतेश गांग, डॉ. सिकंदर आडवाणी, प्रदीप जैन, जवाहर जैन, राहुल कूकलकर, गोविंद कासट, कमला ताई गवई, सुभाष गवई, शोभा रोकड़े, दार्वेकर, रवींद्र देशपांडे, अरूण कड़ू, सुशील ओस्तवाल, जयंत बेलोरकर, संजय भोपाले, सुभाष दुबे, राजू नन्नवरे, जवाहर जैन, अभिनंदन बैंक टीम शिवाजी देठे, रंजीत जाछव, इंगले, प्रदीप जैन, प्राची जैन, प्रियंका जैन, विनोद जांगड़ा, सुनीता जांगड़ा, प्रदीप जैन आदि अनेक मान्यवर.फोटो सज्जा श्वेता दुबे की है.सभी की आत्मीयता के लिए सुदर्शन गांग तथा आनंद परिवार ने साधुवाद कर इसे जीवन की सबसे बड़ी कमाई बताई.

ईमानदारी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता का संगम

समाजसेवी सुदर्शन गांग के जन्मदिन पर विशेष,संपन्नता में भी सादगी सराहनीय

किसी भी समाज, संस्था या राष्ट्र की प्रगति का आधार केवल संसाधन या योजनाएँ नहीं होतीं, बल्कि उन योजनाओं को लागू करने वाले व्यक्तियों का चरित्र होता है. जब किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व में ईमानदारी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता का समन्वय होता है, तब वह न केवल स्वयं आदर्श बनता है, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन जाता है.तीनों ही गुणों के संगम के रूप में समाजसेवी तथा बडनेरा निवासी सुदर्शन गांग को देखा जाता है. सम्पन्नता में सादगी, विद्वता में उच्च विचार के साथ ही किसी की बात को गंभीरता से सुनने और प्रेरित करने का कार्य वे सदा करते हैं.

किसी भी समाज, संस्था या राष्ट्र की प्रगति का आधार केवल संसाधन या योजनाएँ नहीं होतीं, बल्कि उन योजनाओं को लागू करने वाले व्यक्तियों का चरित्र होता है. जब किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व में ईमानदारी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता का समन्वय होता है, तब वह न केवल स्वयं आदर्श बनता है, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन जाता है.तीनों ही गुणों के संगम के रूप में समाजसेवी तथा बडनेरा निवासी सुदर्शन गांग को देखा जाता है. सम्पन्नता में सादगी, विद्वता में उच्च विचार के साथ ही किसी की बात को गंभीरता से सुनने और प्रेरित करने का कार्य वे सदा करते हैं. उनके मुताबिक ईमानदारी, पारदर्शिता तथा विश्वसनीयता जहां मिलते हैं, वहां हमेशा सफलता का ही नतीजा आता है. अपने जीवन में भी सदा इसी सिद्धांत पर चलते हैं.

चरित्र की आत्मा है ईमानदारी

ईमानदारी का अर्थ है विचार, वचन और कर्म में एकरूपता. ईमानदार व्यक्ति परिस्थितियाँ कैसी भी हों, सत्य और नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करता. वह निजी लाभ से ऊपर सामूहिक हित को रखता है. ऐसे व्यक्तित्व पर लोग सहज ही विश्वास करते हैं, क्योंकि उनके निर्णय स्वार्थ से नहीं, बल्कि न्याय और सत्य से प्रेरित होते हैं.ऐसे फैसले सदा सराहनीय ही होते हैं.

विश्वास की नींव है पारदर्शिता

जीवन में घर,परिवार,संस्था और समाज में पारदर्शिता जरूरी है.इसका तात्पर्य है कार्यप्रणाली में स्पष्टता और खुलेपन का होना. पारदर्शी व्यक्ति अपने कार्यों, निर्णयों और प्रक्रियाओं को छिपाता नहीं, बल्कि उन्हें तर्क और तथ्यों के साथ प्रस्तुत करता है. इससे गलतफहमी की गुंजाइश कम होती है और विश्वास मजबूत होता है. नेतृत्व, प्रशासन और सामाजिक जीवन में पारदर्शिता अनिवार्य गुण है.संबंधों की मजबूती विश्वास,प्रेम के कारण सदा बढ़ता है. विश्वसनीयता वह गुण है जो समय की कसौटी पर परखा जाता है. जो व्यक्ति अपने वादों को निभाता है, कठिन परिस्थितियों में भी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटता, वही विश्वसनीय कहलाता है. विश्वसनीय व्यक्ति पर लोग निर्भय होकर भरोसा करते हैं और यही भरोसा दीर्घकालिक संबंधों की नींव बनता है.जब ईमानदारी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता तीनों गुण एक ही व्यक्तित्व में समाहित होते हैं, तब उसका प्रभाव बहुआयामी होता है. ऐसा व्यक्ति नेतृत्व में हो तो संस्था सुदृढ़ होती है, समाज में हो तो सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है और व्यक्तिगत जीवन में हो तो संबंधों में स्थायित्व आता है. यह संगम व्यक्तित्व को सम्मान, स्वीकार्यता और दीर्घकालिक प्रभाव प्रदान करता है. जब अविश्वास और भ्रम तेजी से बढ़ रहे हैं, तब ईमानदारी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता से युक्त व्यक्तित्व के रूप में वे अपनी जिम्मेदारी सभी स्थानों पर निभाते हैं और अन्यों को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं. उनका मानना है कि सकारात्मक सोच के साथ ही उक्त तीनों गुण जहां रहते हैं, वहां कभी किसी बात की कमी नहीं हो सकती है. उनका 2 फरवरी को जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे सदा स्वस्थ रहें, मस्त रहें,सेवा का कार्य निरंतर चलता रहे, श्री गोविंदा के चरणों में यही कामना. अंत में

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको, फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन

सुभाषचंद्र जे. दुबे
संपादक, विदर्भ स्वाभिमान.

यज्ञ का पुण्यफल भगवान विष्णु को समर्पित

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

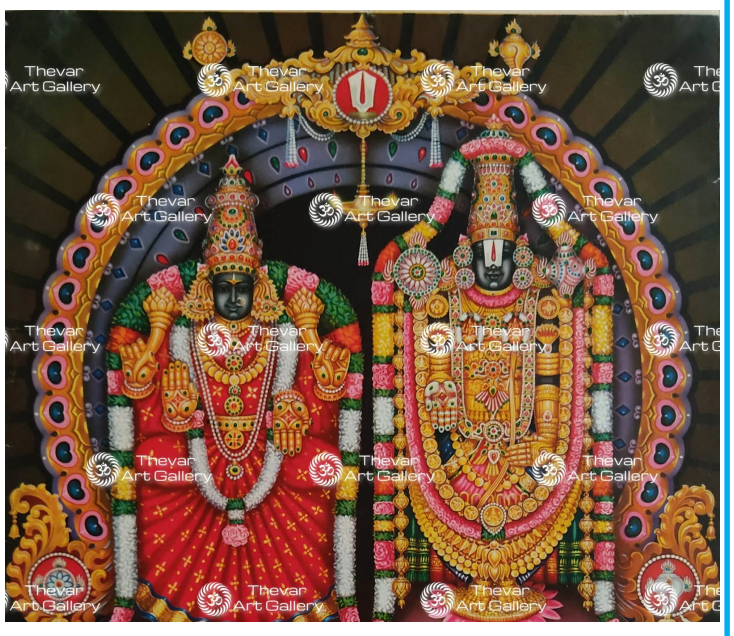

गतांक से जारी- परमतत्व का स्मरण करते त्रिलोक विचरण के लिए निकल पड़े. तब ब्रम्ह ने धरती पर शेषाचल में वल्मीक, तिंत्रिणी वृक्षों का निर्माण करवाया.

भृगु के द्वारा त्रिमूर्तियों की परीक्षा लेना-महान नारद की हितोक्तियों को सुनने के बाद उनके बारे में सोच ऊकर सभी मुनिगण एकत्रित हुए. अपने आपमें इस विषय के बारे में सोचने लगे. मूर्तित्रय में सबसे बड़ा कौन मोक्षप्रद है. इसके लिए तीनों की परीक्षा लेना ही उचित है समझा गया है. साथ ही परीक्षा लेने के लिए - अपने में भृगु महर्षि ही उचित हैं, समझा गया. तब ऐसा निर्णय 'त्रिमूर्तियों में अधिक मोक्षप्रद कौन है?' परीक्षा लेने का कार्य भृगु को सौंपा गया. तब भृगु सर्वप्रथम सत्य लोक गए. वहाँ तपो जनों से परिवेष्ठित ब्रम्ह को देखकर उनको प्रणाम किया. ब्रम्ह ने उन्हें बैठने के लिए नहीं कहा. भृगु ने इसे अपना अपमान समझा. मन में उनकी बहुत गुस्सा आया. अपने गुस्से को अंदर ही दबा लिया. ब्रम्ह के द्वारा बातें न करने से अंदर-ही-अंदर 'यह ब्रम्ह रजोगुणवाले हैं. ऐसे रजोगुणवाला - मोक्षप्रद नहीं बन सकता है. इसलिए इन्हें भूलोक में मंदिर न हो.' ऐसा निर्णय करके शीघ्र ही वहाँ से निकलकर कैलास गए. वहाँ पार्वती के साथ क्रीड़ा करनेवाले परमशिव के सामने खड़े हो गए. अचानक भृगु को - सामने देखकर पार्वती लज्जित हो गयी. तब शिव ने 'अन्यों को इस रहस्य - स्थल पर बिना अनुमति के आना क्या उचित है.' मन में सोचते हुए गुस्सैल नेत्रों से भृगु को देखा. शिव के बातें न करने से 'ये तमोगुण प्रधान है. इसलिए ये भी मोक्षप्रद नहीं है. ऐसे को भूलोक में शरीर की पूजा नहीं होगी, सिर्फ लिंग पूजा होगी.' ऐसा निर्णय भृगु अंदर ही अंदर करके वहाँ से वैकुंठ गए. वहाँ शेष शयन पर लक्ष्मी के साथ शयनित होनेवाले विष्णु को देखा. वहाँ भी भृगु का आदर नहीं हुआ. तब भृगु ने गुस्से में श्रीनिवास के वक्षस्थल पर लात मारी. तब हरि ने तुरंत उठकर भृगु को नमस्कार किया. अर्घ्य, पादादि पूजा करके उचित आसन पर बिठाया. अपने वक्षस्थल पर मारनेवाले पैर को अपने जांघ पर रखकर विष्णु भृग के पैर दबाने लगे. फिर मंदस्मित होकर भृगू की तरफ देखकर इस रूप में कहा. 'हे मुनीश्वर! आपके आने के बारे में मुझे पता नहीं था. इसलिए मैं सो गया था. इसलिए मुझसे अपराध हो गया. मुझ पर न रूठकर अब आप मुझ पर कृपा कीजिए. मेरे अपराध के लिए उचित रीति से मुझे आपने मारा है. यह मुझे पसंद आया. किंतु मेरे कठोर वक्ष पर मारने से आपके पैर को कितनी पीड़ा हुई? इसके लिए मैं क्या उपाय करूँ? आपके बहुत कोमल नयी कोंपल जैसे पैर हैं. इसलिए मुझे वक्ष पर कोई दर्द नहीं हुआ. कमल के स्पर्श जैसा आपका पदाघात मेरे लिए भूषण बन गया. किंतु कठीर वक्ष पर लगने से आपके पैर को अवश्य पीड़ा हुई होगी.' कहते हरि मैं धन्य हो गया.' हरि की इन बातों को सुनकर भृगु को आनंद हुआ. मन में भय और भक्ति के उदय होने से श्रीहरि को देखकर लज्जा से सिर झुकाकर भृगु ने इस रूप में कहा. 'हे शाश्वत सगुण मूर्ति! तुमको छोड़कर और कौन इस रूप में रक्षा कर सकता है? आपकी स्तुति करना मेरे लिए संभव नहीं है.' भृगु ने ऐसी विनति की. तदुपरांत भृगु ने हरि से विदाई ली. गंगा नदी के तट पर यज्ञ करनेवाले कश्यपादि मुनियों के पास लौट आये. ब्रम्ह, शिव के रजो, तमो गुणों के बारे में और हरि के सत्व गुण के बारे में तथा अपनी परीक्षा लेने के वृत्तांत के बारे में भृगु ने उन्हें बताया. तब संतोष के साथ उन्होंने निर्णय किया कि हरि ही का अधिक मोक्षप्रद है. यज्ञ के सकल पुण्य फल को विष्णु को समर्पित पर करके विष्णु का ध्यान करने लगे. ज़ीवन में खुशियां लाने वाले गोविंदा की कृपा सभी पर बरसती रहे, यही कामना. ज़य गोविंदा.

शेष अगले अंक में

RNI NO. MAHMIN/2010/43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

मानव धर्म, माता-पिता सेवा महात्म्य तथा राष्ट्रधर्म प्रोत्साहित करने वाला अखबार

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मंगलमय हो मिलन तुम्हारा

चि.रूपेश- चि.सौ.कां.वृषाली

गीता नगर अकोला नविासी भास्कर वैजनाथआप्पा खोड़के के सुपुत्र चि.रूपेश का शुभविवाह पारस जिला अकोला निवासी बाबूरावआप्पा जानाआप्पा कोल्हे की सुपुत्री चि.सौ.कां.वृषाली के साथ 6 फरवरी को दोपहर 12.37 बजे उत्सव लॉन हिंगणा रोड, कोर्ट के पीछे अकोला नाका,बालापुर में होने जा रहा है. नवदम्पति को विवाह की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

आयुष्यमान अनिरूद्ध- आयुष्यमती कीर्तिश्री

सौ. संगीताश्री एवं गोविंद दायमा के सुपुत्र आयुष्यमान अनिरूद्ध का शुभविवाह पुणे निवासी सौ. भक्तिजी एवं कुमारदत्तजी जोशी की सुपुत्री आयुष्यमती कीर्तिश्री के साथ 10 फरवरी को हो रहा है. इस उपलक्ष्य में आशिर्वाद एवं स्वरूचि भोज मंगलवार 10 फरवरी को शाम 7.31 से 11.31 बजे तक नैवेद्यम रिसोर्ट, बडनेरा रोड में आयोजित किया गा है.

नवदम्पति को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में 9 से संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा

दिलीप मकवाने तथा टीम के नेतृत्व में दूसरी बार आयोजन, रात्रि में होगा कीर्तन, 15 को भव्य शोभायात्रा

अमरावती- महाशिवरात्रि को लेकर शहर के साथ ही जिले में शिवभक्तों में अपार उत्साह देखा जा रहा है. इस उपलक्ष्य में शिवालयों के रंग-रोगन के साथ ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा. भक्तों का उत्साहपूर्वक इसमें सहयोग मिल रहा है. इस कड़ी में अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर स्थित सुख्यात श्री नर्मदेश्वर शिव मंदिर सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित पुरूषोत्तम नगर, वल्लभ नगर स्थित महादेव मंदिर में सोमवार 9 से 16 फरवरी तक संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा सप्ताह का आयोजन किया गया है. इसमें रविन्द्र महाराज भाविकों को भगवान भोलेनाथ की महिमा बताएंगे. कार्यक्रम की तैयारियां आरंभ हो गई हैं. कथा के अलावा रोज रात्रि में 8 से 10 बजे तक कीर्तन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है.

इस बारे में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप मकवाने ने बताया कि 9 फरवरी को सुबह 9 से 11 बजे तक कलश पूजन होगा. दोपहर 2 से 5 बजे तक कथा, शाम 6 से 7 बजे

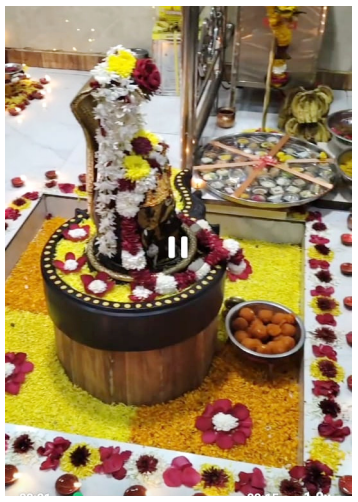

तक हरिपाठ होगा. इसमें पवन महाराज वानखडे, पैड पर प्रणव महाराज कालमेघ, तबला पर राम महाराज राजरकर तथा झांसी दर्शन की व्यवस्था गणेश महाराज साबले संभालेंगे. रात्रि 8 से 10 बजे तक रविन्द्र महाराज कलसकर का संगीतमय सत्संग रखा गया है. 10 को कुणाल महाराज देशमुख, 11 को कार्तिक महाराज इंगोले, 12 को ज्ञानेश्वर महाराज कालबांडे, 13 को प्रवीण महाराज खोबरागडे, 14 फरवरी को सत्यपाल महाराज का बाल शिष्य शिवानंद पाल महाराज तायवाडे तथा रविवार 15 फरवरी को श्री शिव महापुराण कथा व ग्रंथ पूजा 10 से 1 बजे तक होगी. पश्चात दोपहर 2 से 5 बजे तक शोभायात्रा व पालखी समारोह होगा. रात्रि 8 से 10 बजे तक स्वामी गणेशानंद गिरी महाराज का कीर्तन होगा. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह मंदिर कार्यकारिणी समिति के दिलीप मकवाने, प्रमोद राऊत, नंदकिशोर पेटकर, प्रदीप कलसकर, महेन्द्र बोपलकर, गजानन कुसंबे, गजानन उगले, अनिल चांदेकर, भानुदास वाघमारे, अतुल राऊत तथा संदीप ठाकरे ने किया है.

महिलाओं की सहभागिता-गत वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा को लेकर क्षेत्र की महिलाओं में अपार उत्साह है. महिलाओं की सहभागिता के साथ ही क्षेत्र के युवाओं सहित सभी निवासियों के सहयोग से कथा इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह ही अभूतपूर्व रहने का विश्वास मंदिर समिति ने जताया है.

गुरूवार से 5 फरवरी से 11 फरवरी 2026 तक का भविष्य

मेष-मेष राशि के जातको के लिए आज फरवरी महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शुभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा.

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह का आरंभ रोमांटिक होगा. आप कार्यक्षेत्र में विपरीतलिंगी साथी सहकर्मियों से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे. नौकरी में आपका सम्मान बढेगा. सरकारी क्षेत्र से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी. आपकी कोई कार्ययोजना सफल होने से आपका मन भी प्रसन्नचित्त रहेगा. वैसे इस हफ्ते आप चतर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे, और इससे भी लाभ प्राप्त कर पाएंगे.

कर्क-मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरूआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह मिलाजुला रहेगा. सप्ताह के आरंभ में आपकी राशि में बुध का गोचर होगा. जबकि राहु पहले से ही आपकी राशि में विराजमान हैं. ऐसे में आपका दिमाग आपको सीधे रास्ते की बजाय पगडंडियों से ले जाने का काम करेगा और आप परंपरा से हटकर कुछ ना कुछ नया करेंगे. आप कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ कई बार तो आपके लिए भी यह समझना कठिन होगा कि आपने ऐसा क्यों किया है.

क़ामयाबी के लिए मेहनत को कोई पर्याय नहीं- संजय विजयकर

अमरावती- ज़ीवन में किसी भी क्षेत्र में भरपूर स्पर्धा है. लेकिन इस स्पर्धा में जीतने के लिए विनम्रता जरूरी होती है. अहंकार से व्यक्ति स्वयं का नुकसान करता है. लेकिन विनम्रता सदैव लाभ दिलाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, किसी को अपना बना लो या फिर किसी के बन जाओ. ऐसा करने वाले व्यक्ति के जीवन में न तो कभी खुशियां कम होती हैं और न ही वह व्यक्ति कभी असफल होता है.विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए शून्य से संसार बनाने वाले तथा सफलतम युवा व्यवसायी संजय विजयकर ने कहा कि युवाओं में आज मेहनत से जान बचाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. लोग कहते हैं काम नहीं है, जबकि सच्चाई यह है कि काम करने वालों की कमी सबसे बड़ी समस्या है. युवाओं में व्यसन तेजी से बढ़ना भी चिंतनीय है. संजय विजयकर ने इसके इसी तरह उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की.

शून्य से स्वयं कामयाबी की इबारतलिखने वाले बंडू बेल्ट के संचालक संजय विजयकर दो दुकानों का संचालन करते हैं. ग्राहकों से उनकी आत्मीयता का असर है कि न केवल शहर बल्कि आसपास के गांवों से भी सैकड़ों ग्राहक उनके मित्र बने हैं. दोनों दुकानों के संचालक के साथ बेटा उच्च विद्याविभूषित तथा विनम्र है. पूरा परिवार ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहता है. उन्होंने

अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ विनम्र स्वभाव के कारण इस क्षेत्र में जोरदार नाम कमाया है. सादगी पसंद और यटारों का दिलदार यार संजय के स्वभाव को देखकर लगता नहीं कि उसने युवाओं के सामने आदर्श स्थापित किया है. दो-दो दुकानों का संचालन करने के बाद भी संजय के मन में कभी गर्व नहीं रहता है.यारों का दिलदार यार है और कहते हैं कि चार दिन की जिंदगी में खुशियां बांटते रहना चाहिए. जयस्तंभ चौक के करीब स्थिति बंडू बेल्ट नामक प्रतिष्ठान ने ग्राहकों के दिलों में स्थान बनाया है. कई लोगों को संघर्ष से एलर्जी होती है. बेटा भी पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए जहां पिता संजय का हाथ बंटाता है, वहीं दूसरी ओर परिवार में सभी आत्मीयता से रहते हैं. संजय के मुताबिक जितना संभव हो, मानवता की सेवा भी अपने व्यवसाय के साथ करनी चाहिए. इससे अपार संतोष की प्राप्ती होती है.उन्हें उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं.

विश्वसनीयता,तत्पर सेवा का दूसरा नाम जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक : संजय सालवे

विदर्भ स्वाभिमान, 4 फरवरी

अमरावती- सहकारिता क्षेत्र में बैंकों के लिए तमाम चुनौतियां रहने के बाद भी अमरावती जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक ने अध्यक्ष गोकुलदास राऊत के कुशल नेतृत्व में जहां कामयाबी का इतिहास लिखा है, वहीं सभी संचालकों के समर्पण के साथ ही नवनियुक्त महाप्रबंधक संजय सालवे सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों से बैंक ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है. अभी तक उल्लेखनीय सेवाओं के लिए बैंक कोकई पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं. बैंक अपने सभासदों के हितों के साथ ही समय के साथ चलते हुए तरक्की की राह पकड़ते हुए ग्राहकों का विश्वास जीतने में भी सफल हुई है. इस आशय की जानकारी बैंक के महाप्रबंधक संजय सालवे ने दी. साथ ही बैंक की प्रगति में सभी का सहयोग रहने की बात कही.

जिले में शिक्षकों की सहकारी बैंक जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक जहां आर्थिक रूप से मजबूत है, वहीं दूसरी ओर बैंक की पारदर्शी कार्यप्रणाली के साथ ही जिले ही नहीं तो समूचे विदर्भ में इसे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है. बैंक के अध्यक्ष और संचालक मंडल के मार्गदर्शन में बैंक द्वारा जिला परिषद शिक्षकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन करने के कारण इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. शिक्षकों के साथ ही शेअर होल्डरों का विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत होने की बात बैंक कै महाप्रबंधक राजेश देशमुख ने कही. उनके मुताबिक सहकारिता के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा देने का व्यापक स्कोप है. पश्चिम महाराष्ट्र की प्रगति में सहकार से कल्याण वाली भूमिका काफी मायने रखती है. बैंक के अध्यक्ष के साथ संचालक मंडल की दूरदृष्टि और बैंक की प्रगति के लिए लगातार किए जाने वाले प्रयासों और इसके साथ ही बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों का समर्पण भाव और बैंक की प्रगति में योगदान देने वाली सोच के कारण ही इस बैंक ने अपार सफलता प्राप्त की है. बैंक के हर सदस्य द्वारा बैंक की प्रगति में योगदान देने का प्रयास ही बैंक की शानदार कामयाबी का कारण रहने की बात कही.

सहकारिता क्षेत्र की विश्वसनीय और सभी को साथ में लेकर चलने वाली और ग्राहकों का विश्वास जीतने वाली बैंक के रूप में जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक की ख्याति है. संचालक मंडल के कुशल मार्गदर्शन में बैंक द्वारा लगातार ग्राहकों का विश्वास जीतने में कामयाबी मिल रही है. संस्था में समर्पित पदाधिकारी और कर्मचारी रहने के बाद संस्था प्रगति करती है.बैंक के संचालक तथा पदाधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन और ग्राहकों के विश्वास के कारण बैंक ने कई

आर्थिक मजबूती के साथ ही तत्पर सेवा देने का सदैव प्रयास ग्राहकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है

कामयाबी प्राप्त की है.

सहकारी बैंक का मुख्य उद्देश्य सदस्यों की लाभ-सुविधा होता है, न कि सिर्फ मुनाफा कमाना.निर्णय में सदस्यों को भागीदारी और मतदान का अधिकार देने के साथ ही बैंक की नीतियाँ, शुल्क, ब्याज दरें और लेन-देन पूरी तरह स्पष्ट और समझ में आने वाली होती हैं, इससे किसी को कभी दिक्कत नहीं होती है. खाताधारकों को नियमित जानकारी और विवरण मिलते हैं. एक सदस्य को एक वोट का सिद्धांत लागू होता है, चाहे सदस्य के पास कितना भी पूँजी हो,इससे समानता का सिद्धांत आता है. बोर्ड और निर्णय प्रक्रिया में सदस्य भाग ले सकते हैं. जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक में जमा पर उत्तम ब्याज और कर्ज पर संतुलित, न्यायसंगत ब्याज दरें रहने के कारण भी ग्राहक इससे संतुष्ट हैं और बैंक का लाभ लेने के साथ ही नए ग्राहकों को भी जोड़ने में सहयोग करते हैं. अन्य बैंकिंग सेवाओं जैसे खाता शुल्क, कर्ज शुल्क आदि भी कम और पारदर्शी रहने के कारण बैंक आर्थिक रूप से मजबूत भी हो रही है. बैंक की आर्थिक स्थिति मजबूत, रिज़र्व सही तरीके से रखे जाते हैं. इससे ग्राहकों की राशि सुरक्षित है और यहां पर नियमन के अनुसार नियमित ऑडिट और अनुपालन किया जाता है. कोर बैंकिंग सिस्टम, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग जैसे आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए बैंक समय के साथ चलती है. ग्राहकों के फंड और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है. छोटे खाताधारकों के लिए आसान खाता खोलने की प्रक्रिया.शिकायतों का तेजी से समाधान और सहानुभूतिपूर्ण सेवा देने के कारण बैंक उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सहकारिता क्षेत्र में गहन अभ्यासक और सभी को साथ लेकर और सम्मान देकर काम करने में विश्वास रखने वाले संजय सालवे ने कहा कि बैंक अध्यक्ष, संचालक मंडल के समर्पण के कारण ही बैंक ने यह कामयाबी हासिल की है. बैंक के संचालकों की दूरदृष्टि और जनहित में विभिन्न योजनाओं को लाने के साथ ही शिक्षकों के अपार विश्वास के साथ ही बैंक पर जताये जाने वाले विश्वास के लिए उन्हों ने सभी कीसराहना की. उनके मुताबिक बैंक द्वारा सदैव सभी का साथ, सभी शिक्षकों का विकास की तर्ज पर काम करने का प्रयास किया जाता है. उसकी कामयाबी का यही सबसे बड़ा राज रहने की बात राजेश देशमुख ने कही. उनके मुताबिक अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण के साथ ही ग्राहकों को जल्द और विश्वासनीयसेवा देने में निभाई जाने वाली भूमिका का बैंक की तरक्की में अहम योगदान है.महाप्रबंधक जैसे उच्च पद पर सेवारत रहने के बाद भी राजेश देशमुख की सादगी और किसी भी व्यक्ति से बातचीत करने का लहजा किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहता है. उनके मुताबिक अध्यक्ष और संचालक मंडल की उम्दा सोच और बैंक की प्रगति के लिए लगातार किए जाने वाले प्रयासों के कारण ही बैंक ने यह कामयाबी प्राप्त की है. अधिकारी और कर्मचारियों के काम में समर्पण का इसमें महत्वपूर्ण योगदान है. भविष्य में भी यह इसी तरह रहने और बैंक प्रगति में अग्रणी रहने का विश्वास जताया. सहकारिता क्षेत्र का गहन अनुभव रखने के कारण संजय सालवे का लाभ बैंक को विश्वसनीयता के साथ ही आर्थिक मजबूती में भी मिल रहा है.

प्रभाग की जनता के विश्वास को मानती है सबसे बड़ी उपलब्धि

हारकर भी लोगों के दिलों में विजयी मानती हैं सौ. सुनंदाताई खरड

विदर्भ स्वाभिमान,4 फ़रवरी

अमरावती- गड़गड़ेश्वर प्रभाग की पूर्व नगर सेविका और भाजपा नेत्री सौ. सुनंदाताई खरड लोगों के विश्वास के लिए धन्यवाद देती हैं. उनका कहना है कि 5500 से अधिक वोट लोगों ने देककर जहां उनके विश्वास को मजबूत किया है, वहीं दूसरी ओर उनकी सादगी तथा चुनाव के दौरान ही नहीं बल्कि सदा लोगों के साथ संपर्क करने और उनकी समस्याओं का निराकरण करने के स्वभाव के कारण लोगों ने उन्हें यह सहयोग किया. उनके मुताबिक चुनाव में हार जीत चलती है. लेकिन जिस तरह से लोगों ने उन्हें सहयोग किया और इतने बड़े पैमाने पर वोट दिया है, उससे वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं. उनके मुताबिक दो बार नगर सेविका रहते समय करोड़ों रूपए के विकास कामों को पूरा किया. लोगों की समस्याएं सुनना और उसका निराकरण करना सदा उन्हें पसंद रहा और लोगों का भी सहयोग इसी तरह सदा मिला.

उनकी सादगी, लोगों की समस्याएं सुनने का अंदाज और उसे हल करने के लिए महानगरपालिका स्तर पर किए जाने वाले प्रयास का ही नतीजा है कि इस बार के चुनौती पूर्ण चुनाव में भी 5 हजार से अधिक लोगों ने उन्हें वोट दिया. जनता के प्रति समर्पित तथा अपर सेवा भाव रखने वाली ताई का कहना है कि जनता के विश्वास को वह सर्वोपरि मानती हैं. प्रभाग के विकास के लिए जहां वे समर्पित रहती हैं, वही प्रभाग

का हर नागरिक ताई जैसा सम्मान देता है और उनके साथ हमेशा खड़ा रहता है. आदर्श महिला नगर सेविका वह होती है जो अपने कर्तव्यों को ईमानदारी, संवेदनशीलता और साहस के साथ निभाए- वह केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि समाज की सशक्त आवाज़ बनकर उभरती रही हैं. उनका व्यापक संपर्क भीड़ में भी उन्हें सदा अलग सम्मान दिलाता है. हर वर्ग की समस्याओं को सुनना और समाधान के लिए तत्पर रहती हैं.अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े होना उनकी खूबी है. महिलाओं, बालिकाओं और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए सक्रिय प्रयास महानगरपालिका के विभिन्न योजनाओं का लाभ देने की दिशा में प्रयास करती हैं. इसलिए महिलाओं में अपार लोकप्रिय है.क्षेत्रवासी उन्हें अपनी बहन मानते हुए सुख-दुख बताते हैं और वे भी उसका निराकरण करती हैं.लोगों के विश्वास को सुनंदाताई अपनी ताकत मानती हैं.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का निर्णय

अमरावती मेडिकल कॉलेज के लिए १२ हेक्टेयर भूमि मंजूर

100 छात्रों की प्रवेश क्षमता, 430 बिस्तरों का अस्पताल, तीन वर्षों में निर्माण पूर्ण करने की शर्त

विदर्भ स्वाभिमान, 4 फरवरी

मुंबई- जिले के लिए बड़ी खुशी की खबर है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के निर्देश पर जिला पालकमंत्री और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने अमरावती जिला शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय के लिए 12 हेक्टेयर जमीन मंजूर की है. इससे इसका काम तेज होगा. अमरावती जिले के लिए अत्यंत महत्वाकांक्षी शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय एवं संलग्न अस्पताल की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल और राजस्व मंत्री तथा पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे के सतत प्रयासों से अमरावती के निकट आलियाबाद स्थित 11.29 हेक्टेयर भूमि का अंतिम कब्जा चिकित्सा शिक्षा विभाग को सौंपने की मंजूरी राजस्व विभाग द्वारा दी गई है. इस संबंध में निर्णय बुधवार को जारी किया गया.

इस भूमि पर 100 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता वाला नया शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय स्थापित किया जाएगा. इसके साथ 430 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल भी बनाया जाएगा. आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भूमि का कब्जा मिलने के बाद तीन वर्षों के भीतर नियोजित परियोजना का कार्य प्रारंभ करना अनिवार्य होगा.

यह भूमि भोगवटादार वर्ग 2 अधिकार के अंतर्गत मूल्यरहित एवं कब्जाधिकार के साथ प्रदान की गई है. भूमि के उपयोग को लेकर शासन द्वारा कुछ महत्वपूर्ण शर्तें भी लगाई गई हैं. राजस्व विभाग की अनुमति के बिना इस भूमि की बिक्री, दान, बंधक अथवा किसी भी प्रकार की निजी सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से हस्तांतरण नहीं किया जा सकेगा.

अमरावती संभाग की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती

इस निर्णय से अमरावती जिले सहित संपूर्ण पश्चिम विदर्भ की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिलेगी. विद्यार्थियों के लिए बड़े अवसर उपलब्ध होंगे. जिले के नागरिकों की यह लंबे समय से मांग थी. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल और निरंतर प्रयासों से शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल संभव हो पाया है. स्वास्थ्य सेवा को ईश्वर सेवा मानने वाला यह सरकार का संकल्प है. पालकमंत्री के नाते मैं मुख्यमंत्री का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं.जिला पालकमंत्री के रूप में जिले के सर्वांगीण विकास तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की मजबूती का प्रयास सदा जारी रहेगा.

चंद्रशेखर बावनकुले
राजस्व मंत्री एवं पालकमंत्री, अमरावती

दमदार पालकमंत्री मिले हैं

अमरावती जिले के दमदार पालकमंत्री के रूप में चंद्रशेखर बावनकुले जहां जिले के सर्वांगीण विकासार्थ प्रयासरत हैं. वहीं जिला प्रशासन के साथ ही विभिन्न विभागों पर भी राजस्व मंत्री रहने के नाते उनका गहरा दवाब है. अमरावती जिला शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय की जमीन का मामला हल होने के बाद यहां इस महाविद्यालय के काम को गति मिलेगी. इसके साथ ही अन्य जनसुविधाओं के लिए भी बिना किसी तरह का भेदभाव किए निधि उपलब्ध कराते हैं. पहली बार पालकमंत्री द्वारा जिले के पत्रकारों के लिए नियोजन भवन में गुरूवार को होल बॉडी जांच शिविर का आयोजन किया गया है. इसके लिए भी पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की सराहना की जानी चाहिए, जिन्हों ने चौथे स्तंभ के बारे में सोचा और तत्काल प्रभाव से कदम उठाया. निश्चित रूप से जिले को पहली बार जिले को दबंग पालकमंत्री मिलना भाग्य की बात है.

अभिनंदन...सत्कार

देहरादू- आरएसएस के वरिष्ठ तथा महाराष्ट्र राज्य के पूर्व महामहिम राज्यपाल भगतसिंग कोश्यारीजी को उल्लेखनीय कार्य के लिए भारत सरकार ने पदमभूषण मिलने पर विधायक रवि राणा एवम पूर्व सांसद श्रीमती नवनीत राणा ने देहरादून स्थित आवास पर शॉल और पुष्पगुछ देकर सन्मान और अभिनंदन किया. इस समय तीनों की काफी देर तक विभिन्न विषयों पर चर्चा भी हुई.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

मुंबई के महापौर का कैबिनेट मंत्री जैसा रहता ठाट

महापौर को मिलता है ड्राइवर तथा सहयोगी कर्मचारी, साल में मिलता 6 से 6.50 लाख रूपए मानधन

मुंबई- राज्य में नगर निगम चुनाव खत्म हो गए हैं. अब मेयर का चुनाव शुरू होने वाला है. किसी भी नगर निगम का मेयर बनना बहुत बड़ी प्रतिष्ठा की बात मानी जाती है. इसलिए, नागरिकों के लिए मेयर के पद के बारे में सभी जानकारी हासिल करना ज़रूरी माना जाता है. इसमें, मेयर को असल में क्या-क्या सुविधाएं मिलती हैं. यह जानना भी उतना ही ज़रूरी है कि उन्हें कितनी सैलरी मिलती है. इस बीच, अगर महाराष्ट्र में नगर निगमों की बात करें, तो अब राज्य और नगर निगमों के नियमों के अनुसार, मेयर को हर महीने एक निश्चित मानदेय दिया जाता है. लेकिन, मानदेय के अलावा, मेयर को कई तरह के भत्ते दिए जाते हैं. इतना ही नहीं, दूसरी इनकम भी दी जाती है.मुंबई एशिया का सबसे बड़ा और सबसे अमीर नगर निगम है. मुंबई नगर निगम का सालाना बजट 75,000 करोड़ से ज़्यादा है. इसलिए, यह

माना जा सकता है कि मुंबई के मेयर, जो इतने बड़े और विशाल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को कंट्रोल करते हैं, उन्हें मिलने वाली सैलरी उनके पद जितनी ही प्रतिष्ठित है, लेकिन ऐसा नहीं है.

जी हां, मेयर पद पर बैठने वाले की सैलरी पढ़कर आप हैरान रह जाएंगे, लेकिन यह सच है. मुंबई के मेयर को हर महीने 7,500 रुपये की बेसिक सैलरी मिलती है. मेयर का चुनाव भी कॉर्पोरेटर्स में से ही होता है,इसलिए उन्हें सैलरी और अलाउंस जैसे टेलीफोन अलाउंस, हॉस्पिटैलिटी अलाउंस, गेस्ट अलाउंस और ट्रैवल अलाउंस भी मिलते हैं. इसलिए, मेयर की कुल महीने की इनकम 50,000 से 55,000 रुपये तक हो जाती है.

अगर सालाना इनकम की बात करें, तो मेयर को सालाना 6 से 6.5 लाख रुपये की सैलरी मिलती है. वहीं, मेयर पद के लिए कोई सैलरी ब्रैकेट न होने की वजह से मेयर की सालाना सैलरी में बढ़ोतरी नहीं होती है.

अच्छी सुविधाएं- मेयर को मिलने वाली सैलरी की रकम भले ही आपको कम लगे, लेकिन वह शहर के पहले नागरिक हैं. इसलिए, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं और सुख-सुविधाएं बहुत खास और उतनी ही लग्ज़री वाली होती हैं. इसमें उन्हें सरकारी घर दिया जाता है. मुंबई, पुणे और दूसरी बड़ी नगर पालिकाओं ने उनके लिए शानदार बंगले बनाए हैं. इसके अलावा, उन्हें खास गाड़ियां और गाड़ियों का एक बेड़ा भी मिलता है.जिसमें लाल बत्ती वाली सरकारी गाड़ी और एक ड्राइवर भी दिया जाता है. इतना ही नहीं, खास कर्मचारी और हेल्पर भी दिए जाते हैं. जो ऑफिस और घर में उनके रोज़ाना के कामों में उनकी मदद करते हैं.टूर, मीटिंग, विदेशी मेहमानों से मिलने और रिसेप्शन का सारा खर्च नगर पालिका उठाती है. इसलिए, अगर ऊपर बताई गई सभी सुविधाओं पर गौर करें, तो किसी भी नगर निगम के मेयर की सैलरी भले ही कम लगे, लेकिन उनका ठाट-बाट कैबिनेट मिनिस्टर जैसा होता है. इसके अलावा राज्य की अन्य महापालिकाओं के महापौर को श्रेणी के मुताबिक सुविधाएं दी जाती हैं. महापौर निवास सहित अन्य सुविधाएं भी महापौर को राज्य में दी जाती हैं.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048